" माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के सन्दर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता एवं उनसे उत्पन्न होने वाली समस्याओं का अध्ययन "

SHORT SYNOPSIS

Submitted in partial fulfillment of the requirement of the degree of

DOCTOR OF PHILOSOPHY IN EDUCATION

To

U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

By

Name of the Candidate :- Durgesh Mani Tripathi

Enrollment No. :- 2300902

Under the Supervision of

Prof. P. K. Stalin

Director/Faculty of Education

School of Education

U.P. Rajarshi Tandon Open

University, Shantipuram, (Sector-F), Phaphamau, Prayagraj - 211013

SCHOOL OF EDUCATION

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

Certificate

I hereby declare that the short synopsis "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के सन्दर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता एवं उनसे उत्पन्न होने वाली समस्याओं का अध्ययन" being submitted in partial fulfillment of the requirement for the degree of Doctor of Philosophy in **"Education"** under **'School of Education'** of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj during the academic year **2023-24.**

It is a bonafide record of original work carried out under the supervision of **Prof. P. K. Stalin** and has not been submitted in full or part to any other university or institute for a degree or diploma. Further, it is certified that the short synopsis is plagiarism-free and the repot has been submitted.

26-05-2025

Research Supervisor
Prof. P. K. Stalin
Faculty of Subject – School of Education

Durgesh

Candidate Name
Durgesh Mani Tripathi
En. No.- 2300902
Subject –Education

26-05-2025

शिक्षा विद्याशाखा

Prof. P. K. Stalin
Director of School of Education

30/05/25

Prof. P.K. Pandey
Secretary of RDC/ Director, R&D Cell

सारांश

प्रस्तुत शोध सार "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के सन्दर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता एवं उनसे उत्पन्न होने वाली समस्याओं का अध्ययन" विषय की रूप-रेखा है। इस शोध कार्य में विज्ञान दिन प्रतिदिन तरक्की कर रहा है। रोजाना बाजार में हमारी सुख–सुविधा के ऐसे–ऐसे उपकरण आ रहे हैं, जिनका कोई मुकाबला नहीं है। एक जमाना था जब बड़े–बड़े काले रंग के व भारी–भरकम टेलीफोन सेट हुआ करते थे। बात करने के लिए ट्रंक कॉल बुक हुआ करती थी। टेलीफोन तो सिर्फ अमीरों के पास हुआ करता था, परन्तु आज स्मार्टफोन टेलीफोन की जगह ले चुका है। अब तो सब्जी और रिक्शा वाले तक के पास भी स्मार्टफोन उपलब्ध हैं। स्मार्टफोन से न तो केवल बात कर सकते हैं, बल्कि लिखित संदेश यानि एस0एम0एस0, वीडियों, ऑडियों क्लिप भी भेज सकते हैं। अब तो मोबाइल फोन पर भी इंटरनेट, चैट की भी सुविधा है। देश–विदेश वीडियों कॉलिंग आदि।

घर बैठें इतना सब कुछ, वो भी बिल्कुल बचत में। स्मार्टफोन ने लाखों लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। हर वर्ष कई नई–नई कम्पनियां जुड़ रही हैं। एक–एक घर में 5–10 स्मार्टफोन उपलब्ध हैं, जो व्यापार के क्षेत्र में बहुत ही सहायक है। वर्तमान समय में शेयर बाज़ार का पूरा धन्धा स्मार्टफोन से ही होता है। स्मार्टफोन मानव जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक बन चुका है।

प्रमुख शब्द – माध्यमिक स्तर, स्मार्टफोन, इंटरनेट इत्यादि ।

शीर्षक पृष्ठ

"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के सन्दर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता एवं उनसे उत्पन्न होने वाली समस्याओं का अध्ययन"

प्रस्तावना :–

21वीं सदी के इस सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी युग में शिक्षा के क्षेत्र में नए–नए नवाचार हो रहे है। शिक्षा को प्राप्त करने के लिए अनेक संसाधनों का विकास हो रहा है। कंप्यूटर, टैबलेट एवं स्मार्टफोन जैसे अनेकानेक उपकरणों का विकास शिक्षा को प्राप्त करने के लिए किया जा रहा है। निःसन्देह ये सभी उपकरण शिक्षा को प्राप्त करने में सहायता कर रहे है, लेकिन कहीं न कहीं इनमें कुछ उपकरण विद्यार्थियों को व्यसनलिप्तता की ओर भी ले जा रहे है। जिनमें स्मार्ट फोन सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है। स्मार्ट फोन वर्तमान में हमारे जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा हो गया है। ऐसा कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वर्तमान में स्मार्ट फोन की आवश्यकता मनुष्य के लिए भोजन से अधिक हो गई है। स्मार्ट फोन उपयोग दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है जो कहीं न कहीं मनुष्य के लिए समस्या का कारण भी बन रहा है। इस समस्या को हम मनोवैज्ञानिक समस्या भी कह सकते है। मनुष्य का इतना अधिक स्मार्टफोन का उपयोग करना कहीं न कहीं स्मार्ट फोन व्यसनलिप्तता से ग्रसित होने का कारण हो सकता है। स्मार्ट फोन का उपयोग वर्तमान में मनुष्य कई तरीके से कर रहा है। जैसे– व्हाट्सअप, फेसबुक, इन्स्टाग्राम, टेलीग्राम, ट्विटर, चैट, ऑनलाइन/ऑफलाइन, वीडियो गेम, ऑनलाइन कक्षाओं एवं ऑनलाइन कोर्सेस, बैंकिंग आदि के लिए किया जा रहा है। जिसके कारण मनुष्य अपना अधिक समय स्मार्ट फोन के प्रयोग में व्यतीत कर रहा है, जो कहीं न कहीं मनुष्य के जीवन को प्रभावित कर रहा है।

स्मार्टफोन जहां बहुत फायदेमंद होते है, वहीं कई नुकसान भी होते है। सबसे पहले, वे लोगों के बीच दूरी पैदा करते है। जैसे लोग अपने फोन पर समय व्यतीत करते है, वे एक दूसरे से ज्यादा बात नहीं करते है। लोग एक ही कमरे में बैठेंगे और एक दूसरे से बात करने के बजाय अपने फोन पर व्यस्त रहेंगे।

इसके बाद, फोन बहुत समय बर्बाद करते हैं। लोग इनसे आसानी से विचलित हो जाते है और घंटो अपने फोन पर व्यस्त रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मोबाइल फोन कई बीमारियों का कारण है। जब हम लंबे समय तक फोन का इस्तेमाल करते है, तो हमारी आंखो की रोशनी कमजोर हो जाती है, ये हमारे दिमाग पर तनाव करते है। हम सरदर्द, आंखो से पानी आना, नींद न आना, आदि समस्याओं से पीड़ित है इसके अलावा मोबाइल फोन ने लोगों के जीवन में गोपनीयता की कमी पैदा कर दी है। चूंकि आपकी सारी जानकारी आपके फोन और सोशल मीडिया पर अग्रहित हैं इसलिए कोई भी इसे आसानी से एक्सेस कर सकता है हम हैकर्स के प्रति असुरक्षित हो जाते हैं। इसके अलावा मोबाइल फोन पर बहुत सारा पैसा खर्च करते हैं वे वैसे भी महंगे हैं और सबसे बढ़कर, हमें अपने उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए महंगे गैजेट खरीदतें हैं। संक्षेप में, हम देखते हैं कि यह कैसे अभिशाप और वरदान

दोनों है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इसका उपयोग अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं। हमें मोबाइल फोन के उपयोग को सीमित करना चाहिए और इसे हम पर नियंत्रण नहीं करने देना चाहिए। क्योंकि स्मार्टफोन हमारे जीवन पर कब्जा कर रहा है, हमें पता होना चाहिए कि कब सीमा खींचनी है आखिरकार, हम मालिक हैं, स्मार्टफोन नहीं।

अध्ययन की पृष्ठभूमि/समस्या की उत्पत्ति :–

किसी भी शोध कार्य के लिए समस्या का चुनाव करना ही सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है। किसी भी कार्य को करने के पीछे कोई न कोई कारण अवश्य होता है। वर्तमान समय में स्मार्ट फोन एवं सबसे अधिक प्रचलित व सशक्त माध्यम है। इनका विद्यार्थियों पर बहुत प्रभाव दिखाई दे रहा है। स्मार्ट फोन के विकास के साथ–साथ समाज में क्रान्तिकारी परिवर्तन हो रहा है। विशेष कर विद्यार्थी वर्ग पर इसका अमिट प्रभाव पड़ रहा है। यह प्रभाव सकारात्मक व नकारात्मक दोनों प्रकार से दृष्टव्य हुआ है। वर्तमान में सोशल मीडिया के साधन प्रत्येक घर में उपलब्ध है। जिससें इन साधनों का प्रभाव जीवन के हर पक्ष (यथा सामाजिक, पारिवरिक, आर्थिक, इत्यादि) पर दिखाई देता है। इसके माध्यम से जहाँ हमें नवीन जानकारी का पता लगता है और वहीं दूसरी तरफ नई परम्पराए (सांस्कृतिक तथा सामाजिक) तथा अनेकानेक नवीन समस्याओं का भी प्रादुर्भाव हुआ है, साथ ही साथ हमारें मूल्यों का भी ह्रास दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थी अपने ज्ञान में तो वृद्धि करते है परन्तु कुछ अपराधिक कार्यों में लिप्त होते जा रहे है।

अतः "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता एवं उनसे उत्पन्न होने वाली समस्याओं का अध्ययन" पर सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव पड़ रहे हैं इसलिए इस तथ्य को ध्यान में रखकर इस समस्या पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

पूर्व अध्ययन की वस्तु स्थिति/शोध में विकास की स्थिति :–

- अग्रवाल, पूजा एवं दुबे, (डॉक्टर) प्रमिला (2020) ने अपने अध्ययन "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में स्मार्टफोन की उपयोगिता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में स्मार्टफोन के बढ़ते प्रयोग का उनकी अकादमिक उपलब्धि पर सार्थक सकारात्मक सह संबंध पाया गया स्मार्टफोन के प्रयोग का शैक्षिक उपलब्धियों पर सकारात्मक प्रभाव पाया जाता है परंतु उसका सीमित ही प्रयोग होना चाहिए।
- भंडारी डी. जे. पांडे, वाई, पी एवं शर्मा बी. डी. (2021) "स्मार्ट फोन यूज एंड इट्स एडिक्सन अभंग एडोलसेट्रस इन व एज ग्रुप ऑफ 16–19 इयर्स" इस शोध अध्ययन के उपरांत यह निष्कर्ष निकला कि छात्रों में 83.9% स्मार्टफोन का उपयोग पाया गया। छात्रों में 37% स्मार्टफोन लत की समस्या पाई गई।
- वैदी बुखोरी (2019) "विद्यार्थियों की अकादमिक उपलब्धि पर स्मार्टफोन व्यसंलिप्तिता उपलब्धि प्रेरणा और पाठ्य पुस्तक पठन तीव्रता का प्रभाव" इस शोध में पाया गया कि प्रत्यक्ष रूप में स्मार्टफोन प्रभावित करता है।

❖ बियांची और फिलिप्स के एक अध्ययन से भी इसी तरह के मुद्दों का पता चलता है मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग पर सामुदायिक चिंता मौजूद है, और हमें उन समूहों की पहचान करनी चाहिए, जिन्हें हस्तक्षेप अभियानों में लक्षित किया जाना चाहिए।

❖ युवा भारतीय वयस्कों पर अध्ययन के अनुसार स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग इसे एक व्यावहारिक लत व समस्या को दर्शाता है, जैसा कि नेहा और अन्य ने सुझाव दिया है।

तर्काधार/अध्ययन की सार्थकता :–

वर्तमान युग में मोबाइल फोन या स्मार्टफोन हमारे जीवन में एक अहम हिस्सा बन गया है। आज हर व्यक्ति के पास मोबाइल फोन है, चाहे गरीब हो या अमीर हो आज स्मार्टफोन का जमाना है, और हर कोई, हर युवा की इस तरफ तेजी से दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। पहले लोगों के पास तो फोन ही नहीं होते थे। फोन केवल पैसे वालों के पास या सरकारी अधिकारियों के पास होते थे। यदि मोबाइल में हमें बड़ी सुविधा प्रदान की है। किंतु इसके बहुत दुष्परिणाम भी हो रहे हैं। मोबाइल के कारण मानव शरीर में बहुत सारी बीमारियां हो रही है। मोबाइल फोन से निकलने वाले रेडिएशन से डीएनए क्षतिग्रस्त हो सकता है। इसके अलावा मोबाइल फोन का अधिक इस्तेमाल आपको मानसिक रोगी, कैंसर, ब्रेन ट्यूमर डायबिटीज, हृदय रोग आदि कई बड़ी बीमारियां भी दे सकता है। स्मार्टफोन आज व्यक्ति की आदत बन गई है। कोई भी व्यक्ति मोबाइल के बिना अपने आप को अधूरा मानने लगता है। अगर कुछ देर व्यक्ति अपने मोबाइल से दूर रहे तो उसका मन नहीं लगता उसे जग सूना प्रतीत होता है। जैसे उसका कुछ बहुमूल्य चीज उससे दूर हो गया हो। व्यक्ति ने इसे अपने आदत में शामिल कर लिया है। मोबाइल में दिन रात देखे जाने वाले वीडियो हिंसा को बढ़ावा देते हैं। इसका खास प्रभाव बच्चों अथवा विद्यार्थियों पर देखने को मिल रहा है। बेशक मोबाइल के अनेक लाभ हो सकते हैं, बशर्ते उसे ठीक प्रकार से प्रयोग किया जाए। स्मार्टफोन के नुकसान से बचने का एकमात्र मार्ग सतर्कता ही है।

अनुसन्धान प्रश्न :–

❖ स्मार्टफोन सीखने की पहुंच को कैसे बढ़ाते हैं?

❖ स्मार्टफोन छात्रों के बीच सहयोग को कैसे सुविधाजनक बनाते हैं ?

❖ क्या स्मार्टफोन डिजिटल साक्षरता कौशल विकसित करने में सहायता कर सकता है ?

❖ स्मार्टफोन से उत्पन्न होने वाली कौन–कौन सी समस्याएं हैं ?

❖ माध्यमिक स्तर पर स्मार्टफोन सीखने में किस प्रकार से उपयोगी है ?

समस्या कथन/अनुसन्धान कथन :–

- प्रस्तावित शोध **"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थीयों की शैक्षिक आवश्यकता के सन्दर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता एवं उनसे उत्पन्न होने वाली समस्याओं का अध्ययन"**

महत्वपूर्ण पदों/प्रत्ययों की कार्यात्मक परिभाषायें:—

स्मार्टफोन, माध्यमिक स्तर, शैक्षिक आवश्यकता इत्यादि।

स्मार्टफोन :—

स्मार्टफोन उन मोबाइल फोनों को कहते हैं जिनके कंप्यूटिंग क्षमता तथा कनेक्टविटी आधारभूत फोनो की तुलना में अधिक उन्नति होती हैं।

माध्यमिक स्तर :—

माध्यमिक स्तर नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार कक्षा 9वीं से 12वीं कक्षा से है।

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता :—

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता से तात्पर्य एक स्वस्थ कक्षा वातावरण, अच्छे शिक्षक, अच्छी अध्ययन दिनचर्या, एक अच्छा ऑनलाइन शिक्षण एप, एक संतुलित पाठ्यचर्चा उचित निर्देशन व परामर्श इत्यादि की आवश्यकता से है। यह सभी छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताएं कहीं जा सकती हैं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए यह नितान्त आवश्यक है।

अध्ययन के उद्देश्य :—

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं का पता लगाना।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता पर उनके आवासीय पृष्ठभूमि, लिंग के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन से उत्पन्न समस्याओं का पता लगाना।
4. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का उनके आवासीय पृष्ठभूमि लिंग एवं शैक्षिक संवर्ग के आधार पर अध्ययन।
5. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता एवं उनसे उत्पन्न होने वाली समस्याओं के मध्य सम्बन्ध का उनके आवासीय पृष्ठभूमि लिंग एवं शैक्षिक संवर्ग के आधार पर अध्ययन करना।

परिकल्पनायें/अनुसंधान प्रश्नों के अनुमानित कथन :–

- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन सहायक है।
- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता पर उनके आवासीय पृष्ठभूमि, लिंग के प्रभाव में सार्थक अन्तर है।
- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन से उत्पन्न समस्या होती है।
- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं का उनके आवासीय पृष्ठभूमि, लिंग, शैक्षिक संवर्ग के आधार पर सार्थक अन्तर है।
- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकता के संदर्भ में स्मार्टफोन की उपयोगिता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के मध्य सम्बन्ध का उनके आवासीय पृष्ठभूमि, लिंग एवं शैक्षिक संवर्ग के आधार पर सार्थक अन्तर है।

अनुसंधान विधि :–

- प्रस्तावित शोध में समस्या के अनुरूप वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जाएगा।

जनसंख्या :–

- प्रस्तावित शोध के अन्तर्गत उ०प्र० के प्रतापगढ़ जनपद से यू०पी० बोर्ड के माध्यमिक स्तर के सभी बच्चों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया जाएगा।

अध्ययन में प्रयुक्त चर :–

स्वतंत्र चर – स्मार्टफोन की उपयोगिता, स्मार्टफोन से उत्पन्न होने वाली समस्या।

बाह्य चर – आवासीय पृष्ठभूमि, लिंग, शैक्षिक संवर्ग।

न्यादर्श और न्यादर्शन प्रविधि :–

प्रस्तावित शोध हेतु प्रतापगढ़ जनपद के माध्यमिक स्तर के विद्यालयों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्श विधि द्वारा किया जाएगा। जिसमें 1200 विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के रूप में सम्मिलित किया जाएगा।

प्रयुक्त अनुसंधान उपकरण तकनीकी :–

प्रस्तावित शोध में आंकड़ों की प्रकृति व उपलब्धता के आधार पर मानकीकृत उपकरण व स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया जाएगा।

समंक संकलन प्रक्रिया एवं प्रयुक्त सांख्कीय विश्लेषण प्राविधि :–

❖ प्रस्तावित शोध के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु संकलित आंकड़ा की प्रकृति के अनुरूप उपयुक्त सांख्यिकी विधियों का प्रयोग करके शोध निष्कर्ष/साक्ष्य प्राप्त किए जायेंगे।

अध्ययन की परिसीमायें/क्षेत्र :–

❖ प्रस्तावित शोध को शोधकर्ता द्वारा अपने पास उपलब्ध सीमित समय एवं संसाधनों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित प्रकार से सीमांकित किया जाएगा।

❖ शोध का परिसीमन जनसंख्या के आधार पर केवल प्रतापगढ़ जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित माध्यमिक विद्यालय तक सीमित किया जायेगा।

❖ प्रस्तावित शोध माध्यमिक विद्यालयों के अन्तर्गत 11वीं कक्षा के सिर्फ कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जायेगा।

संदर्भ ग्रन्थ सूची :–

- अग्रवाल, पूजा एवं दुबे (डॉक्टर) प्रमिला (2020) "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के स्मार्टफोन की उपयोगिता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन" इंटरनेशनल, एजुकेशनल, एपलाइड रिसर्च जनरल।
- भंडारी डी.जे., पांडे वाईपी शर्मा डीबी. (2021) "16–19 वर्ण के आयु वर्ग के किशोरों में स्मार्टफोन का उपयोग और इसकी समस्या इंडियन जे कम्युनिटी मोड।
- बुखारी, वैदी और अन्य/ (2019) "छात्रों की शैक्षिणिक उपलब्धि का स्मार्टफोन की लत, उपलब्धि प्रेरणा और पाठ्य पुस्तक पढ़ने की तीव्रत पर प्रभाव"। इंटरनेशनल जनरल ऑफ इंटरएक्टिव मोबाइल टेक्नोलॉजी।
- बियांची ए, फिलिप्स जेजी, स्मार्टफोन के उपयोग से होनी वाली समस्या के मनोवैज्ञानिक भविष्यवक्ता, साइबर साइकोल व्यवहार 2005।
- नेहा आर, केट एन, ग्रोवर एस, खेड़ा एन, वासु डी. क्या माध्यमिक स्तर पर वयस्कों में मोबाइल फोन का अत्यधिक व्यवहारिक लत को दर्शाता हैं? जे पोस्ट ग्रेड एडूक रेस/ 2012।

DrillBit

The Report is Generated by DrillBit Plagiarism Detection Software

Selected Language Hindi

Submission Information

Author Name	Durgesh Mani Tripathi
Title	Madhyamik star ke vidyarthiyon ki shaikshik aavashyakata
Paper/Submission ID	3643204
Submitted by	rjmauryauprtou@gmail.com
Submission Date	2025-05-21 11:43:26
Document type	Synopsis

Result Information

Similarity	**0%**

A Unique QR Code use to View/Download/Share Pdf File

26.05.2025

निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा

DrillBit

DrillBit Similarity Report

0	0	A	A-Satisfactory (0-10%) B-Upgrade (11-40%) C-Poor (41-60%) D-Unacceptable (61-100%)
SIMILARITY %	MATCHED SOURCES	GRADE	

LOCATION	MATCHED DOMAIN	%	SOURCE TYPE

26.05.2025

निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा